॥ॐ॥
हिमाचल शिक्षा समिति
सरस्वती विद्या मन्दिर हिम रश्मि परिसर विकासनगर, शिमला-171009,हि0प्र0
दूरभाष-0177-2620813, 2620814
www. shikshasamiti.org, E-mail: himachalshikshasamitishimla@gmail.com

==========

प्रैस विज्ञप्ति

दिनांक 22.07.2017

हिमाचल शिक्षा समिति सम्बद्ध विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के मार्गदर्शन में हिमाचल प्रदेश में चल रहे सरस्वती विद्यामन्दिरों के आचार्य-दीदियों के लिए सरस्वती विद्या मन्दिर चिन्तपूर्णी में चल रहे 30 दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में प्रतिभा प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मुख्यातिथि विद्या भारती उतरक्षेत्र के सह संगठन मंत्री श्री विजय नड्डा जी ने कहा कि प्रशिक्षण द्वारा व्यक्ति के अन्दर की शक्तियों का प्रकीकरण व उसकी क्षमताओं का विकास होता है। निरन्तर अभ्यास से चंचल मन को वश में किया जा सकता है। शिशु के अन्दर भगवान की कल्पना की है। हम सरस्वती विद्या मन्दिरों में अध्ययनरत शिशु में भगवान के रूप में उसकी अराधना कर रहे हैं, उसे शिक्षित किया जा रहा है। विद्या भारती पूरे देश भर में इसी कल्पना के साथ शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रही है।

श्री विजय नड्डा ने कहा कि शिक्षा अपनी पुरातन संस्कृति से जुड़े इस हेतु विद्या भारती द्वारा सम्पूर्ण भारतवर्ष के सभी राज्यों में छात्र-छात्राओं को भारतीय संस्कृति से ओत-प्रोत शिक्षा 23 विषयों के द्वारा देने का प्रयास किया जा रहा है। जैसा आचार्य होता है, वैसा विद्यालय होता है और जैसा विद्यालय होता है वैसे ही बालक का निर्माण होता है। उसी बालक से आदर्श समाज का निर्माण होता है। छात्रों के अच्छे कार्य का श्रेय अध्यापक लेता है तो समाज में हो रहे नैतिक मूल्यों के ह्रास की जिम्मेवारी भी अध्यापकों को लेनी चाहिए।

उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में समाज की भागीदारी भी सुनिश्चित करने व पढ़ाई के लिए आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्ग के छात्रों को गोद लेने (Adopt to Education) का आग्रह किया। विद्या भारती द्वारा देश भर में यह अभियान लिया जा रहा है।

कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री अशोक कुमार ने कहा कि हमें भारत मां को फिर से विश्व का सिरमौर बनाना है और इसे परम वैभव तक ले जाना है उसके लिए प्रयास करना होगा। समिति के मंत्री श्री खोमराज शर्मा द्वारा वर्ग की विभिन्न गतिविधियों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गई।

इससे पूर्व सरस्वती मां के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वल कर सरस्वती वन्दना के साथ प्रतिभा प्रदर्शन कार्यक्रम का प्रारम्भ हुआ। इस अवसर पर आचार्य-दीदियों द्वारा योगासन व शारीरिक प्रदर्शन, भजन नृत्य समूहगान, शिशु वाटिका के सुन्दर अभिनय गीत प्रस्तुत किये गये। कांगड़ा तथा शिमला के लोकनृत्य **"काला घगरा सिलाई के धोबन पाणिया जो चली, चम्बा आर की नदिया पार, म्हारे देशा रा दिन शिमला, असा घरा जो जाणा मेरी लाल चिड़िये, रेणुका माईये महामाईये"** की प्रशिक्षुओं ने सुन्दर प्रस्तुति दी।

आचार्य प्रशिक्षण वर्ग के प्रतिभा प्रदर्शन कार्यक्रम के अवसर पर हिमाचल शिक्षा समिति के संगठन मंत्री श्री राजेन्द्र कुमार, कांगड़ा जिला समिति अध्यक्ष की जगन्नाथ शर्मा, ऊना जिला समिति अध्यक्ष श्री प्रेमस्वरूप शर्मा, विद्यालय के प्रधनाचार्य श्री राजीव ठाकुर, प्रबन्ध समिति से डॉ0 रामकुमार रत्न, श्री कुलदीप चद कालिया, श्री महेन्द्र पाल शर्मा, श्री सतीश कालिया, श्री सुनीश डडवाल, श्री जीवन कालिया, श्रीमती स्वर्णलता, श्रीमती कुसुम शर्मा, श्री प्रदीप कुमार, सहित चिन्तपूर्णी के गणमान्य महानुभावों ने भाग लिया।